भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1161

उत्तर देने की तारीख-11/12/2023

एसटीईएम पाठ्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी

†1161. श्री प्रदीप कुमार सिंहः
डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी:
श्री सत्यदेव पचौरीः
श्री जयन्त सिन्हाः
श्री नायब सिंह सैनी:
श्रीमती केशरी देवी पटेलः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में एसटीईएम पाठ्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी दर को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से कारक उत्तरदायी हैं; और
(ख) विकसित देशों की तुलना में एसटीईएम पाठ्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी की दर क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) और (ख) उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए महिला छात्रों को बढ़ावा देने के लिए, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने महिलाओं के लिए प्रगति छात्रवृत्ति और टेकसक्षम कार्यक्रम (टीएसपी) शुरू किया है। वर्ष 2014 में प्रगति छात्रवृत्ति मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा में प्रवेश करने वाली लड़कियों को 10000 छात्रवृत्ति (प्रगति) प्रदान कर रही है। टेकसक्षम कार्यक्रम एक टॉप-अप कार्यक्रम है जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली वंचित महिला छात्रों के बीच रोजगार कौशल विकसित करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षा का उपयोग करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में स्नातक कार्यक्रमों में महिला नामांकन में सुधार के उद्देश्य से, अतिरिक्त सीटें बनाई गईं, जिससे महिला नामांकन 2018-19 में 8% से बढ़कर 2020-21 में 20% हो गया। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के अनुसार, एसटीईएम पाठ्यक्रमों में महिला नामांकन 2014-15 में 38.4% से बढ़कर 2021-22 (अनंतिम) में 42.6% हो गया है। 2023 में प्राप्त विश्व बैंक के जेंडर डेटा के अनुसार, भारत में तृतीयक शिक्षा के प्रतिशत के रूप में एसटीईएम से स्नातक महिलाओं की हिस्सेदारी (2018) 42.7% है, अमेरिका (2016) में 34% है, यूके (2016) में 38.1% है, ऑस्ट्रेलिया (2017) में 32.1% और जर्मनी(2017) में 27.6% है।

*****